प्रभु का दर्शन (2)

पाके भाई लग जा सेवा में

1. भारतवर्ष बुलावे तुझको

आ बचा मुझको

आत्‍माएं मरतीं (2)

देखों हज़ारों पाप के सागर में

2. क्रूस पर अपनी जान प्रभु ने

जग के लिए दी

जगह है देखो (2)

हिन्‍द के लिए उसके हृदय में

3. बैठे बैठे साल गंवाए नौ जवानी के

अभी भी कर ले (2)

प्रभु की सेवा बाकी जीवन में

4. चारों ओर अँधेरा छाया

रात अब आ पहुँची

जो कुछ है करना (2)

अभी तू कर ले दिन की ज्‍योति में

5. प्रभु के लिए आत्‍मा बचाने में

तू जल्‍दी कर

फसल है पक्‍की (2)

पूले जमा कर उसके खत्ते में